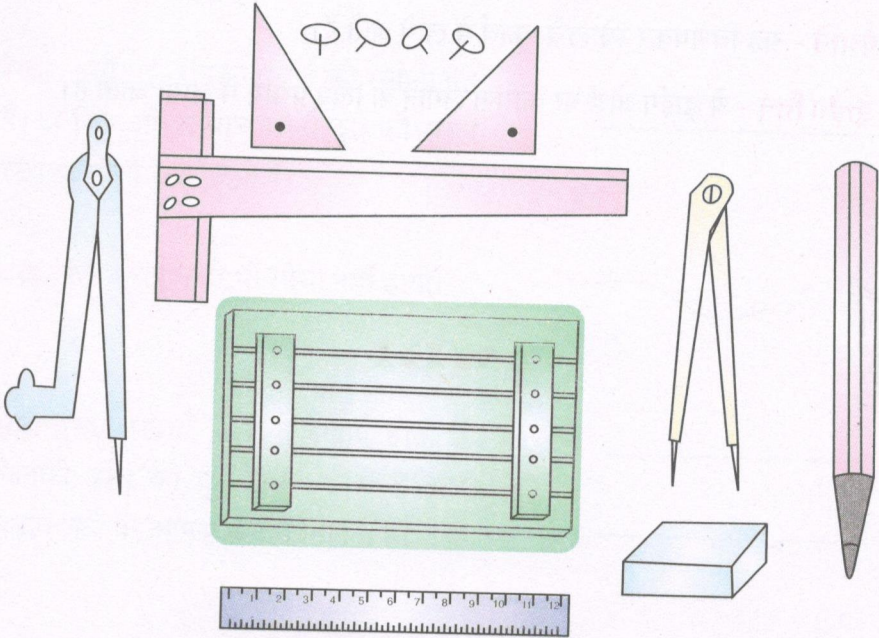


ज्योमेट्रीकल उपकरण तथा उनका प्रयोग

ज्योमेट्री यह शब्द ग्रीक भाषा ज्यो (धरती) तथा मेट्रीन (मापना) से मिलकर बना हुआ है। मापने का विज्ञान है। इसलिए यह लिखित ज्योमेट्री के नियमों का व्यावहारिक प्रयोग है।

व्यावहारिक कार्य के लिए ठीक-ठीक उपकरणों का प्रयोग होना चाहिए। एक कारीगर का काम पूरे उपकरणों से अच्छा बनेगा। इसी प्रकार ड्राईंग के विद्यार्थी के पास ये उपकरण होने आवश्यक हैं।



1. **परकार** - यह वृत्त तथा चाप लगाने के लिए प्रयोग की जाती है। इसकी दो टांगें होती हैं। एक में अच्छे प्रकार की लोहे की सुई होती है, दूसरी में पेन्सिल का भाग रखा जाता है। परकार खरीदते समय देखो कि दोनों भाग आपस में मिलते हैं और बराबर हैं।

2. **डिवाइंडर** - परकार की तरह डिवाइंडर भी ज्योमेट्री में रेखाओं आदि के भाग करने के लिए प्रयोग में लाया जाता है।
3. **सैटस्क्वयर्स** - ये त्रिभुजाकार जैसे होते हैं। एक में 45° , 45° तथा 90° के तथा दूसरे में 30° , 60° तथा 90° के कोण होते हैं। ये प्लाईवुड, सोलोलाइट के बने होते हैं। समानान्तर व लम्ब रेखाओं के लिए इनका प्रयोग किया जाता है।
4. **ड्राइंग बोर्ड टी. स्क्वयर्स** - यह दोनों उपकरण विशेषकर स्केल का कार्य करने के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं परन्तु इन उपकरणों से ज्योमेट्री का कार्य भी भली प्रकार करने में सहायता मिलती है और कार्य शीघ्र हो जाता है।
5. **रबर** - अच्छी किस्म का रबर ड्राइंग के कार्य में प्रयोग करना चाहिए और प्रयोग करने से पहले रबर को अवश्य ही साफ कपड़े से साफ कर लें।
6. **पैमाने** - यह विशेषकर स्केल के कार्य में लाये जाते हैं।
7. **ड्राइंग पिन्** - ये ड्राइंग बोर्ड पर कागज लगाने के लिए प्रयोग में लायी जाती है।

